अमृत विचार कैम्पस

वर्ड स्मिथ

ऐसे बना बॉयकाट शब्द

आज 'बॉयकाट' शब्द विरोध, असहमति और सामाजिक बहिष्कार का पर्याय बन चुका है। इस शब्द की उत्पत्ति 19 वीं सदी के आयरलैंड से जुड़ी है। उस समय आयरलैंड ब्रिटिश शासन के अधीन था और वहां किसानों की हालत बेहद दयनीय थी। बड़े जमींदारों की जमीन पर खेती करने वाले किसानों से अत्यधिक किराया वसूला जाता था। ऐसे ही एक जमींदार की जमीन का प्रबंधन ब्रिटिश अधिकारी चार्ल्स बॉयकाट (Charles Boycott) के हाथ में था। वे कठोर और असंवेदनशील माने जाते थे। साल 1880 में जब किसानों ने फसल खराब होने के कारण किराया कम करने की मांग की, तो चार्ल्स बॉयकाट ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने कई किसानों को जमीन से बेदखल करने की कार्रवाई भी शुरू कर दी। इससे किसानों में जबरदस्त आक्रोश फैल गया, लेकिन उन्होंने हिंसा का रास्ता नहीं चुना। इसके बजाय आयरिश राष्ट्रवादी संगठन लैंड लीग के नेतृत्व में एक नया, शांतिपूर्ण तरीका अपनाया गया- सामाजिक बहिष्कार। इस बहिष्कार के तहत कोई भी व्यक्ति चार्ल्स बॉयकाट से बात नहीं करता था। मजदूर उनके खेतों में काम करने से मना कर देते थे, दुकानदार उन्हें सामान नहीं बेचते थे, डाकिया तक उनकी चिट्ठियां नहीं पहुंचाता था। वे समाज में पूरी तरह अलग-थलग पड़ गए।

यह अहिंसक विरोध इतना प्रभावी सिद्ध हुआ कि अंततः उन्हें उस क्षेत्र को छोड़ना पड़ा। इस अनोखे विरोध की खबरें ब्रिटिश अखबारों में प्रमुखता से छपीं। पत्रकारों ने इस सामाजिक बहिष्कार को उसी व्यक्ति के नाम पर "Boycott" कहना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे यह शब्द अंग्रेजी भाषा में स्थापित हो गया और बाद में दुनिया की अनेक भाषाओं में फैल गया। आज 'बॉयकाट' का अर्थ किसी व्यक्ति, संस्था, देश या उत्पाद का संगठित और शांतिपूर्ण तरीके से बहिष्कार करना है। इस प्रकार 'बॉयकाट' केवल एक शब्द नहीं, बल्कि इतिहास की वह सीख है, जो बताती है कि संगठित सामाजिक चेतना बिना हिंसा के भी बड़े बदलाव ला सकती है।

नोटिस बोर्ड

- 24 फरवरी को मुरादाबाद में एक विशाल रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जहां साक्षात्कार के आधार पर युवाओं को नौकरी दी जाएगी। खास बात यह है कि इस मेले में बड़ी संख्या में स्थानीय कंपनियां भाग ले रही हैं, जिससे युवाओं को अपने ही जिले में रोजगार मिलने की संभावना बढ़ गई है। सहायक निदेशक सेवायोजन रत्नेश चंद्र ने बताया कि उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत यह रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ना है। मेला राजकीय पॉलिटेक्निक के मैदान में लगाया जाएगा, जो कांठ रोड पर विवेकानंद हॉस्पिटल के सामने स्थित है। इस मेले में लगभग 50 कंपनियां प्रतिभाग करेंगी।

- बरेली कॉलेज में प्रथम सेमेस्टर के वे विद्यार्थी, जिन्होंने वोकेशनल विषय के अंतर्गत रिसर्च सर्वे किया है, अपने असाइनमेंट 19 फरवरी को जमा कर सकते हैं। यह प्रक्रिया कॉलेज के नए परीक्षा भवन में दोपहर 1:45 बजे से 2:45 बजे तक आयोजित की जाएगी। मीडिया सेल प्रभारी प्रो. ए.सी. त्रिपाठी ने बताया कि इसी दिन राजनीति विज्ञान विभाग के एमए प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की मौखिक परीक्षा भी आयोजित होगी। यह परीक्षा दोपहर 1 बजे से प्रारंभ होगी। संबंधित विद्यार्थियों को समय से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

बनना है इंजीनियर, जेईई मेन के बाद आगे का सफर

देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेईई) मेन छात्र-छात्राओं के लिए देश के शीर्ष तकनीकी कॉलेजों में प्रवेश दिलाने का रास्ता खोलती है। हर साल लाखों छात्र इसे क्वालिफाई करने की तैयारी करते हैं। जेईई मेन-2026 के सत्र-1 का रिजल्ट आने के बाद छात्र-छात्राओं के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि अब आगे क्या करना है? इसका जवाब यही है कि अगर आप अपने सत्र-1 के स्कोर से संतुष्ट नहीं हैं या इसे और सुधारना चाहते हैं, तो जल्दी से सत्र-2 के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 25 फरवरी है। परीक्षा 1 अप्रैल से 10 अप्रैल के बीच आयोजित की जाएगी। दोनों सत्रों में से सर्वश्रेष्ठ स्कोर ही फाइनल रैंक के लिए मान्य होगा।

डॉ. क्षमा त्रिपाठी
प्रोफेसर डीजी पीजी कॉलेज

एक्सपर्ट की मानें, तो इस बार जेईई मेन का प्रश्नपत्र मीडियम स्तर का था। ऐसे में अनुमान है कि सामान्य वर्ग के लिए जेईई एडवांस्ड में बैठने की पात्रता कटऑफ लगभग 91 से 93 परसेंटाइल के बीच हो सकती है। हालांकि वास्तविक और अंतिम कटऑफ की घोषणा दूसरे सत्र का परिणाम जारी होने के बाद ही की जाएगी। अब यदि आपका स्कोर कट ऑफ ढाई लाख उम्मीदवारों के भीतर है, तो आईआईटी में प्रवेश के लिए पात्र हैं और आईआईटी में प्रवेश के लिए जेईई एडवांस्ड की तैयारी शुरू कर सकते हैं। इसके लिए पंजीकरण 23 अप्रैल से शुरू होगा और परीक्षा 17 मई को आयोजित की जाएगी।

जेईई मेन के बाद काउंसिलिंग

जेईई मेन के स्कोर के आधार पर देश के अनेक प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों में प्रवेश मिलता है। छात्र-छात्राएं इस परीक्षा के माध्यम से B.E./B.Tech और वास्तुकला (B.Arch) पाठ्यक्रमों में दाखिला ले सकते हैं। देश के सभी 31 राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NIT) जेईई मेन का स्कोर स्वीकार करते हैं। इसी तरह देश में स्थित 26 भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIITs) भी इस परीक्षा के आधार पर प्रवेश देते हैं। 28 केंद्रीय वित्त पोषित तकनीकी संस्थान (GFTIs) भी जेईई मेन के स्कोर को दाखिले के लिए पात्रता प्रदान करते हैं। इनके अलावा कई राज्यों के सरकारी कॉलेज जैसे बिहार का MIT, दिल्ली स्थित DTU, जामिया मिलिया इस्लामिया और धीरूभाई अंबानी संस्थान भी जेईई मेन स्कोर को मान्यता देते हैं। हाल ही में IIM लखनऊ जैसे कुछ प्रबंधन संस्थानों ने भी जेईई स्कोर के आधार पर नए AI और डेटा साइंस पाठ्यक्रमों में प्रवेश देना शुरू किया है।

जेईई मेन बढ़िया विकल्प पर एकमात्र रास्ता नहीं

ऐसे छात्र जिनका जनवरी जेईई मेन में परसेंटाइल 99 से अधिक है, उनको जेईई एडवांस्ड की परीक्षा की तैयारी पूरे फोकस के साथ करनी चाहिए। क्योंकि इस परसेंटाइल पर उन्हें अच्छे एनआईटी में कोर ब्रांच मिलने का विकल्प लगभग सुरक्षित हो गया है, जबकि 99 से 98 परसेंटाइल स्कोर के बीच वाले उम्मीदवार जेईई मेन के अप्रैल सेशन में भाग ले सकते हैं। ऐसे विद्यार्थी जिनका परसेंटाइल 98 से कम है, उन्हें भी अप्रैल माह में जेईई-मेन के साथ एडवांस्ड की तैयारी पर भी पूरा ध्यान देना चाहिए, लेकिन वे छात्र जो जेईई मेन परीक्षा पास नहीं कर पाए हैं। उनके लिए ऐसा नहीं है कि इंजीनियरिंग में प्रवेश के रास्ते बंद हो गए हैं। आप अन्य इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं में शामिल होने की तैयारी कर सकते हैं। इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करने के लिए जेईई मेन बढ़िया प्रवेश विकल्प है, लेकिन यह एकमात्र रास्ता नहीं है। कुछ विश्वविद्यालय और कॉलेज अपनी स्वयं की प्रवेश परीक्षा आयोजित करते हैं, जबकि अन्य राज्य स्तरीय अंकों को स्वीकार करते हैं। आप इस ओर ध्यान दे सकते हैं।

कितने परसेंटाइल पर कहां मिलेगा प्रवेश लेने का मौका

एनआईटी त्रिची, वारंगल, सूरतकल, इलाहाबाद, राउरकेला, कालीकट, जयपुर और कुरूक्षेत्र में 99 परसेंटाइल से ज्यादा होने पर मनचाही ब्रांच मिलने का पूरा मौका रहता है। इसके अलावा ट्रिपलआईटी इलाहाबाद में भी दाखिला मिल सकता है। 98 से अधिक परसेंटाइल पर भी शीर्ष के टॉप 15 एनआईटी में कोर ब्रांच के अलावा ट्रिपल आईटी जबलपुर, ग्वालियर, गुवाहाटी, कोटा में कोर ब्रांच मिल सकती है। 98 से 96 परसेंटाइल पर टॉप 20 एनआईटी में कोर के अलावा अन्य ब्रांच और नॉर्थ ईस्ट की एनआईटी के साथ पटना, रायपुर, अगरतला, श्रीनगर, सिल्चर, उत्तराखंड, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज चंडीगढ़, जेएनयू, हैदराबाद यूनिवर्सिटी में प्रवेश मिल सकता है। नए ट्रिपलआईटी डोदरा, पुणे, सोनीपत, सूरत, नागपुर, भोपाल, त्रिची, रायचूर, कांचीपुरम, रांची, धारवाड़, अगरतला, कल्याणी में भी कोर ब्रांच मिलने की संभावना रहती है। 96 से 94 परसेंटाइल पर सभी 1 एनआईटी के अलावा जीएफटीआई में प्रवेश मिलने की संभावनाएं बनती हैं।

क्या है जेईई मेन और एडवांस्ड

जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम (JEE) में दो मुख्य परीक्षाएं होती हैं, जेईई मेन और एडवांस्ड। जेईई मेन परीक्षा का पहला चरण है, जिसका संचालन राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) द्वारा किया जाता है। जेईई एडवांस्ड परीक्षा का दूसरा चरण है, जिसका संचालन संयुक्त प्रवेश बोर्ड (JAB) की ओर से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IIT) में से किसी एक द्वारा किया जाता है। जेईई एडवांस्ड में बैठने के लिए, छात्र को जेईई मेन उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जेईई मेन और एडवांस्ड दोनों ही अत्यधिक प्रतिस्पर्धी परीक्षाएं हैं। इन परीक्षाओं में अच्छा स्कोर करने से प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के द्वार खुलते हैं और उज्ज्वल करियर का मार्ग प्रशस्त होता है।

कैंपस में पहला दिन- सीखने का उद्देश्य और सपनों को नई दिशा

कॉलेज का पहला दिन जीवन के उन यादगार क्षणों में से एक होता है, जो समय बीतने के साथ और भी मूल्यवान हो जाता है। मेरे जीवन में यह दिन तब आया, जब मैंने क्राइस्ट चर्च कॉलेज में बीएससी बायोलॉजी स्ट्रीम में प्रवेश लिया। यह केवल एक नए संस्थान में दाखिला नहीं था, बल्कि जीवन की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। उस सुबह मन में उत्साह और संकोच दोनों भाव मौजूद थे। नई पोशाक, हाथ में जरूरी कागजात और मन में भविष्य को लेकर कई सपने- सब कुछ नया-सा लग रहा था। जैसे ही कॉलेज परिसर में प्रवेश किया, वहां का ऐतिहासिक वातावरण, विशाल भवन और अनुशासित चहल-पहल ने गहरा प्रभाव डाला। चारों ओर अलग-अलग स्थानों से आए छात्र थे, जिनकी आंखों में भी मेरे ही जैसे सपने और उम्मीदें झलक रही थीं।

राहुल चंद्रा
पूर्व महामंत्री, इनकम टैक्स बार एसोसिएशन कानपुर

बीएससी बायोलॉजी स्ट्रीम में प्रवेश लेने का निर्णय मेरे लिए विशेष महत्व रखता था। विज्ञान के प्रति रुचि और जीवन की जैविक प्रक्रियाओं को समझने की जिज्ञासा मुझे इस विषय तक ले आई थी। पहली कक्षा में बैठते समय मन में यह एहसास गहराता जा रहा था कि अब पढ़ाई का स्तर और दृष्टिकोण दोनों बदलने वाले हैं। जब शिक्षक कक्षा में आए, तो उनके अनुभवपूर्ण शब्दों और विषय के प्रति समर्पण ने हमें तुरंत प्रभावित किया।

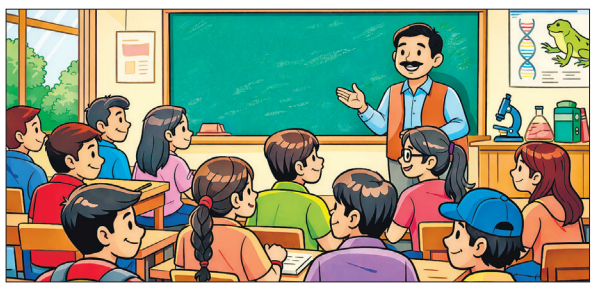

उन्होंने स्पष्ट किया कि बायोलॉजी केवल पाठ्यपुस्तकों का विषय नहीं, बल्कि जीवन को समझने की कुंजी है। धीरे-धीरे सहपाठियों से परिचय हुआ। नाम पूछने से शुरू हुई बातचीत कब मित्रता में बदल गई, यह पता ही नहीं चला। प्रयोगशाला, विभागीय गलियारे और कैंटीन, हर जगह नई बातचीत, नई सीख और नए रिश्ते आकार लेने लगे। उस दिन यह अनुभव हुआ कि कॉलेज केवल शैक्षणिक ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त मंच है।

आज जब उस पहले दिन को याद करता हूं, तो क्राइस्ट चर्च कॉलेज में बीएससी बायोलॉजी स्ट्रीम में लिया गया प्रवेश गर्व और आत्मविश्वास से भर देता है। कॉलेज का पहला दिन वास्तव में जीवन की उस यात्रा की शुरुआत था, जिसने सोचने की दृष्टि, सीखने का उद्देश्य और भविष्य के सपनों को एक नई दिशा दी।

करेंट अफेयर्स

- हाल ही में नई दिल्ली में भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को वर्ष 2025 की बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्स वुमेन ऑफ द ईयर चुना गया। मंधाना ने भारत की 2025 महिला विश्व कप में ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इसके साथ ही शतरंज की भारतीय स्टार दिव्या देशमुख को सिर्फ 20 साल की उम्र में ऐतिहासिक फिडे महिला विश्व कप जीतने के लिए इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार दिया गया।
- अफगानिस्तान टीम के क्रिकेटर राशिद खान ने T20 क्रिकेट में एक ऐसा मुकाम हासिल कर लिया है, जो आज तक दुनिया का कोई भी गेंदबाज नहीं कर पाया। हाल ही में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप मैच में उन्होंने यह रिकॉर्ड बनाया। UAE के खिलाफ खेलते हुए राशिद खान T-20 फॉर्मेट में 700 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए हैं।
- बीती 16 फरवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में ओल चिकी लिपि के शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें 1925 में संताली भाषा के लिए विकसित ओल चिकी लिपि के 100 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया गया। राष्ट्रपति ने संताली भाषा के संरक्षण और युवा पीढ़ी के बीच ओल चिकी लिपि के प्रसार के महत्व पर बल दिया। इस ऐतिहासिक अवसर पर उन्होंने संताल समुदाय की सांस्कृतिक विरासत को सम्मानित करते हुए एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया।
- हाल ही में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने सर्वेश रंजन को चीफ जनरल मैनेजर (CGM) के पद पर पदोन्नत किया गया है। यह नियुक्ति भास्कर राव कारे के सेवानिवृत्त (सुपरएनुएशन) होने के बाद की गई है।

जॉब अलर्ट

रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (RBI)

- पद का नाम- असिस्टेंट
- पदों की संख्या -650
- सैलरी- बेसिक पे 29,000/-, 29,000-78,640 (प्लस अलाउंस) के स्केल पर। ग्रॉस सैलरी लगभग 58,514/- (बिना HRA के)
- योग्यता- कम से कम 50% मार्क्स के साथ बैचलर डिग्री (SC/ST/PwBD के लिए पास क्लास)
- आयु- 20 से 28 साल
- आवेदन की अंतिम तिथि-08 मार्च2026
- वेबसाइट- www.rbi.org.in

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI)

- पद का नाम -सर्किल बेस्ड ऑफिसर
- पदों की संख्या-2273 (2050 रेगुलर + 223 बैकलॉग)
- सैलरी- Rs. 48,480 - 85,920 प्रति महीना
- योग्यता- किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से किसी भी सब्जेक्ट में ग्रेजुएशन
- आयु- 21 से 30 साल
- आवेदन की अंतिम तिथि- 25 फरवरी 2026
- वेबसाइट-https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings

यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन

- सिविल सर्विसेज एग्जामिनेशन (CSE) 2026
- पद- टाइप ग्रुप A और ग्रुप B सर्विसेज़, टोटल वैकेंसी काउंट लगभग 933 पोस्ट
- सर्विसेज IAS, IPS, IFS, IRS, इंडियन ऑडिट एंड अकाउंट्स, DANICS, DANIPS, और दूसरी सेंट्रल सर्विसेज़
- योग्यता- ग्रेजुएट डिग्री (कोई भी डिसिप्लिन)
- आयु-21-32 साल
- आवेदन की अंतिम तिथि- 24 फरवरी 2026
- वेबसाइट- www.upsc.gov.in

करियर की नई राह: डिजिटल मार्केटिंग या बीबीए

12 वीं बोर्ड की परीक्षाएं समाप्त होते ही छात्रों के सामने करियर को लेकर सबसे बड़ा सवाल खड़ा हो जाता है कि अब आगे क्या पढ़ें? आज के प्रतिस्पर्धी और तेजी से बदलते जॉब मार्केट में सिर्फ डिग्री ही नहीं, बल्कि स्किल और अवसर भी मायने रखते हैं। ऐसे समय में दो कोर्स सबसे ज्यादा चर्चा में हैं, डिजिटल मार्केटिंग और बीबीए (BBA)। दोनों के अपने फायदे, अवसर और करियर पाथ हैं, लेकिन कौन सा कोर्स आपके लिए बेहतर रहेगा, यह आपके लक्ष्य, रुचि और भविष्य की योजना पर निर्भर करता है। आइए आज आपको बताते हैं कि इन दोनों में कौन सा कोर्स आपके लिए बेहतर रहेगा।

ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर, बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

क्या है डिजिटल मार्केटिंग

डिजिटल मार्केटिंग का मतलब है इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए किसी प्रोडक्ट, सर्विस या ब्रांड का प्रचार करना। जब आप सोशल मीडिया पर किसी कंपनी का विज्ञापन देखते हैं, यूट्यूब पर वीडियो से पहले ऐड आता है या गूगल सर्च में कोई वेबसाइट सबसे ऊपर दिखाई देती है, यह सब डिजिटल मार्केटिंग का हिस्सा है। यह कोर्स स्किल-बेस्ड होता है और कम समय में पूरा किया जा सकता है।

करियर के विकल्प

- डिजिटल मॉर्केटिंग एग्जीक्यूटिव
- सोशल मीडिया मैनेजर
- एसईओ एग्जीक्यूटिव
- कंटेंट राइटर
- गूगल एड्स एग्जीक्यूटिव
- फ्रीलांस डिजिटल मार्केटर
- ऑनलाइन ब्रांड मैनेजर
- इस फील्ड में फ्रीलांस और वर्क फ्रॉम होम के अवसर भी भरपूर हैं।

क्या है बीबीए

Bachelor of Business Administration अर्थात बीबीए एक 3 साल का ग्रेजुएशन डिग्री कोर्स है, जो बिजनेस और मैनेजमेंट की बुनियादी समझ देता है। इसमें मार्केटिंग, ह्यूमन रिसोर्स, फाइनेंस, ऑपरेशंस और कॉर्पोरेट वर्क कल्चर के बारे में पढ़ाया जाता है। यह कोर्स उन छात्रों के लिए बेहतर है, जो आगे चलकर कॉर्पोरेट सेक्टर में मैनेजर बनना चाहते हैं या MBA करने की योजना रखते हैं।

BBA के बाद जॉब ऑप्शन

- सेल्स एग्जीक्यूटिव
- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव
- एचआर असिस्टेंट
- ऑफिस मैनेजर
- बिजनेस डेवेलपमेंट एग्जीक्यूटिव
- ऑपरेशन एग्जीक्यूटिव

सैलरी और जॉब की तुलना

डिजिटल मार्केटिंग में कोर्स छोटा होता है और नौकरी जल्दी मिलने की संभावना रहती है। शुरुआत में सैलरी सामान्य होती है, लेकिन अनुभव और स्किल बढ़ने के साथ आय तेजी से बढ़ती है। वहीं BBA में पढ़ाई लंबी है और जॉब थोड़ा समय लेकर मिलती है, लेकिन अगर इसके बाद MBA कर लिया जाए, तो सैलरी और पद दोनों ही काफी बेहतर हो सकते हैं।